संस्कृतव्याकरणम्/ संस्कृतव्याकरण

(346)

शिक्षक-अंकितमूल्यांकन–पत्रम्/
शिक्षक-अंकितमूल्यांकन–पत्र

पूर्णांका:/ पूर्णांक – 20

निर्देशा : (i) सर्वे प्रश्ना: अनिवार्या:। प्रश्नानुसारम् अङ्का: समक्षे निर्देशिता:।

(ii) उत्तरपुस्तिकाया: प्रथमपृष्ठे स्वनाम, अनुक्रमांकसंख्या, शिक्षणकेन्द्रस्य नाम इति सर्वं लेखनीयम्।

निर्देश : (i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्नों के अनुसार अंक सामने दिए गए हैं।

(ii) उत्तर पुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर अपना नाम, अनुक्रमांक संख्या, अध्ययन केंद्र का नाम लिखिए।

1. **कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं 40-60 शब्देषु लिखत-** **2**

(क) 'प्राक्कडारात् समासः' इति सूत्रं व्याख्यायताम्। (दृष्टव्यम्-1)

(ख) 'अव्ययीभावश्च' इति सूत्रं व्याख्यायताम्। (दृष्टव्यम्-1)

किसी एक प्रश्न का उत्तर 40-60 शब्दों में लिखिए-

(क) 'प्राक्कडारात् समासः' इस सूत्र की व्याख्या कीजिए। (देखें-पाठ-1)

(ख) 'अव्ययीभावश्च' इस सूत्र की व्याख्या कीजिए। (देखें-पाठ-1)

2. **कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं 40-60 शब्देषु लिखत-** **2**

(क) 'शेषो बहुव्रीहिः' इति सूत्रं व्याख्यायताम्। (दृष्टव्यम्-5)

(ख) 'हलदन्तात् सप्तम्याः संज्ञायाम्' इति सूत्रं व्याख्यायताम्। (दृष्टव्यम्-5)

किसी एक प्रश्न का उत्तर 40-60 शब्दों में लिखिए-

(क) 'शेषो बहुव्रीहिः' इस सूत्र की व्याख्या कीजिए। (देखें-पाठ-5)

(ख) 'हलदन्तात् सप्तम्याः संज्ञायाम्' इस सूत्र की व्याख्या कीजिए। (देखें-पाठ-5)

3. **कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं 40-60 शब्देषु लिखत-** **2**

(क) 'लः परस्मैपदम्' इति सूत्रं स्पष्टीकुरुत। (दृष्टव्यम्-12)

(ख) 'स्वरितञितः कर्त्रभिप्राये क्रियाफले' इति सूत्रं व्याख्यायताम्। (दृष्टव्यम्-12)

किसी एक प्रश्न का उत्तर 40-60 शब्दों में लिखिए-

(क) 'लः परस्मैपदम्' इस सूत्र को स्पष्ट कीजिए। (देखें-पाठ-12)

(ख) 'स्वरितञितः कर्त्रभिप्राये क्रियाफले' इस सूत्र की व्याख्या कीजिए। (देखें-पाठ-12)

4. कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं 100-150 शब्देषु लिखत- **4**

(क) 'तिङ् शित् सार्वधातुकम्' इति सूत्रं उदाहरण-सहितं व्याख्यायताम्। (दृष्टव्यम्-13)

(ख) धातोः सकर्मकत्वम् अकर्मकत्वं च सोदाहरणं प्रतिपादयत। (दृष्टव्यम्-13)

किसी एक प्रश्न का उत्तर 100-150 शब्दों में लिखिए-

(क) 'तिङ् शित् सार्वधातुकम्' इस सूत्र की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

(देखें-पाठ-13)

(ख) धातु के सकर्मकत्व और असकर्मकत्व को उदाहरण द्वारा स्पष्ट कीजिए।

(देखें-पाठ-13)

5. **कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं 100-150 शब्देषु लिखत-** **4**

(क) 'लिङ्-निमित्ते लृङ् क्रियातिपत्तौ' इति सूत्रं उदाहरण-सहितं व्याख्यायताम्।

(दृष्टव्यम्-16)

(ख) 'सार्वधातुकमपित्' इति सूत्रं उदाहरण-सहितं व्याख्यायताम्। (दृष्टव्यम्-16)

किसी एक प्रश्न का उत्तर 100-150 शब्दों में लिखिए-

(क) 'लिङ्-निमित्ते लृङ् क्रियातिपत्तौ' इस सूत्र की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

(देखें-पाठ-16)

(ख) 'सार्वधातुकमपित्' इस सूत्र की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए। (देखें-पाठ-16)

6. **अधोलिखितेषु कमपि एकं विषयमधिकृत्य परियोजना-विवरणं लिखत।** **6**

(क) 'सायञ्चिरम्प्राह्णेप्रगेऽव्ययेभ्यष्ट्युट्युलौ तुट् च' इति सूत्रं व्याख्यायताम्। सायन्तम्। चिरन्तनम्। प्राह्णेतनम्। प्रगेतनम्- रूपाणि अपि साधयत। (दृष्टव्यम्-30)

(ख) 'प्रत्ययोत्तरपदयोश्च' इति सूत्रं व्याख्यायताम्। त्वदीयः, युष्मदीयः। उत्तरपदे तु त्वत्पुत्रः, मत्पुत्रः- रूपाणि अपि साधयत। (दृष्टव्यम्-30)

नीचे दिए गए किसी एक विषय पर परियोजना रूप में विवरण दीजिए-

(क) 'सायञ्चिरम्प्राह्णेप्रगेऽव्ययेभ्यष्ट्युट्युलौ तुट् च' इस सूत्र की व्याख्या कीजिए। सायन्तम्, चिरन्तनम्, प्राह्णेतनम्, प्रगेतनम् रूपों की सिद्धि भी कीजिए। (देखें-पाठ-30)

(ख) 'प्रत्ययोत्तरपदयोश्च' इस सुतीर की व्याख्या कीजिए। त्वदीयः, युष्मदीयः, उत्तरपदे तु त्वत्पुत्रः, मत्पुत्रः रूपों की सिद्धि भी कीजिए। (देखें-पाठ-30)